

---

# Akshapanchakam

---

## अक्षपञ्चकम्

---

### Document Information



---

Text title : Aksha Panchakam

File name : akShapanchakam.itx

Category : vishhnu, vAdirAja, vishnu, panchaka

Location : doc\_vishhnu

Author : vAdirAjayati

Proofread by : Jayalakshmi Jayaraman, Revathy R.

Latest update : May 10, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 10, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



अक्षपञ्चकम्

---



गिरान्तेऽर्थानुसन्धातृश्चिरान्तेवासिनो हरे ।  
पुरान्ते दर्शनोत्कान्नः स्मरान्ते स्वीयमुन्नयन् ॥ १ ॥  
पोषायाऽऽषाढाब्दनादवेषशेषादिकेकिनाम् ।  
द्वेषान्तासुरपाषाणपेषायाशनरोषधूः ॥ २ ॥  
भाषाशेषाङ्गभूषाणां घोषाभा शोषदा द्विषाम् ।  
हेषा तवैषा निर्दोषा तोषाय स्याद्धयास्य मे ॥ ३ ॥  
हृद्यविद्याब्धिशब्दाभा मार्गे कलकलप्रभ ।  
स्वर्गिणामुपदेशे सा वल्गुवाद्यस्वनायते ॥ ४ ॥  
सेनाया वैरिसेनाया नाकिनां सपिनाकिनाम् ।  
भयाभयप्रद स्यान्नोऽभयायांहोभयाय सा ॥ ५ ॥  
भीरुणा वैरिणः पापाहारुणादक्षपञ्चकात् ।  
यतिना वादिराजेन कृतिनेयं कृतिः कृता ॥ ६ ॥  
इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितं अक्षपञ्चकं सम्पूर्णम् ।  
भारतीरमणमुख्यप्राणान्तर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ।

Proofread by Jayalakshmi Jayaraman

---

